12

आयुष महाविद्यालयों को न दें संबद्धता, 12 विवि को भेजा पत्र

आयुष विश्वविद्यालय से संबद्ध होंगे सभी 94 महाविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय ने प्रदेश के 12 विश्वविद्यालयों को पत्र भेजकर आयुष महाविद्यालयों को संबद्धता नहीं देने व छात्रों का पंजीकरण न करने को कहा है। यह भी निर्देश दिया गया है कि जिन महाविद्यालयों को स्थायी संबद्धता दी गई है, उन्हें भी आयुष विश्वविद्यालय से संबद्धता लेने को कहा जाए। महाविद्यालयों को भी इस संबंध में पत्र भेजा जाएगा। इस बार सभी 94 महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय संबद्धता प्रदान करेगा। छात्रों का पंजीकरण करेगा, प्रश्नपत्र बनाएगा और परीक्षा कराएगा।

तैयारी

- पंजीकरण के बाद परीक्षा भी कराएगा विश्वविद्यालय
- 14 अप्रैल से पढ़ाई शुरू करने का दिया गया निर्देश

महाविद्यालय	सरकारी	निजी
आयुर्वेद महाविद्यालय	08	59
यूनानी महाविद्यालय	02	13
होम्योपैथ महाविद्यालय	09	03
कुल आयुष महाविद्यालय		94

सभी 94 आयुष महाविद्यालयों को अब विश्वविद्यालय ही संबद्धता प्रदान करेगा। उन्हें संबद्धता न देने के लिए सभी 12 विश्वविद्यालयों को पत्र लिखा गया है। सत्र 2021-22 के छात्रों का पंजीकरण भी विश्वविद्यालय ही करेगा। वेबसाइट व साफ्टवेयर तैयार हो रहे हैं। विश्वविद्यालय का निर्माण तेजी से चल रहा है। पांच-छह माह में कार्यालय विश्वविद्यालय परिसर में शिफ्ट हो जाएगा।

डा. अवधेश कुमार सिंह, कुलपति, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय

भटहट में बन रहे प्रदेश के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय अभी निर्माणाधीन है और शैक्षिक व्यवस्था नार्मल स्कूल परिसर में बने अस्थायी कार्यालय से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश के सभी 94 आयुष महाविद्यालयों को इसी सत्र (2021-22) से संबद्धता प्रदान की जाएगी। अभी तक सभी महाविद्यालय 12 विश्वविद्यालयों से संबद्ध हैं। पहले चरण की काउंसिलिंग के छात्रों का नामांकन हो गया है। कई जगह पढ़ाई भी शुरू हो गई है। दूसरे चरण की काउंसिलिंग व मापअप राउंड अभी बाकी है। सभी महाविद्यालयों में 14 अप्रैल से पढ़ाई शुरू करने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद महाविद्यालयों को संबद्ध कर छात्रों का पंजीकरण किया जाएगा। इसके लिए महाविद्यालयों को आनलाइन आवेदन करना होगा।

बनवाई जा रही वेबसाइट व साफ्टवेयर: महाविद्यालयों को संबद्धता देने, छात्रों का पंजीकरण करने व परीक्षा कराने में कोई दिक्कत न आए, इसके लिए आयुष विश्वविद्यालय अपनी वेबसाइट व साफ्टवेयर तैयार करा रहा है। वेबसाइट का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। परीक्षा से पूर्व साफ्टवेयर भी तैयार कर लिया जाएगा। होम्योपैथ व यूनानी की परीक्षा अगले साल जनवरी-फरवरी तथा आयुर्वेद की जून में संभावित है। इसके साथ ही एजुकेटिव काउंसिल बनाने की भी तैयारी है। इसके लिए शासन से अनुरोध किया जाएगा।

आयुष कोर्स शुरू न करने को लखनऊ विवि को लिखा जाएगा पत्र: आयुष विश्वविद्यालय प्रबंधन ने कहा है कि लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा व योग का पांच वर्षीय कोर्स शुरू करने की सूचना है। इस कोर्स को न शुरू ककरने के लिए भी विश्वविद्यालय को पत्र लिखा जाएगा। अब आयुष से संबंधित पाठ्यक्रमों का संचालन केवल आयुष विश्वविद्यालय ही करेगा।